॥ जैनाचार्य १०८ श्रीमद्विजयानन्दसूरिपादपद्मेभ्यो नमः ॥

॥ वन्दे वीरमानन्दम् ॥

॥ आबुजैनमन्दिरोंके निर्माता ॥

लेखक—

न्यायाम्भोनिधिजैनाचार्य १०८ श्रीमद्विजयानन्दसूरिप्रशिष्य
श्रीमान् श्रीवल्लभविजयजी महाराजके शिष्यरत्न पण्डित
श्रीललितविजयजी (पंन्यासजी) महाराज ।

प्रकाशक—

बीकानेर निवासी सेठ कालूरामजी कोचरकी
सहायतासे श्रीआत्मानन्द जैनसभा—
अंबाला शहर (पंजाब)

निर्णयसागर प्रेस मुंबई,

वीरनिर्वाण २४४८ आत्म संवत् २७	प्रति संख्या १०००	विक्रम १९७९ ई० सन् १९२२

" मूल्य आठ आने "